

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, उधमसिंहनगर,  
देहरादून, पौड़ी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, हरिद्वार।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 11 जून, 2009

विषय :- चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में जिला सैक्टर योजनान्तर्गत धनराशि अवमुक्त करने  
विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या-9/नि0/आय व्ययक/  
2009-10 दिनांक 1 अप्रैल, 2009 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल  
महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में पशुपालन विभाग हेतु अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत  
जिला सैक्टर योजनाओं हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष संलग्न विवरण के अनुसार योजनावार,  
जनपदवार, आहरण वितरण अधिकारीवार, मदवार कुल धनराशि रुपये 10312 हजार (रुपया एक  
करोड़ तीन लाख बारह हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति व्यय हेतु संलग्न विवरणानुसार आपके  
निर्वहन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते  
हैं :-

- (1) संलग्न विवरणानुसार निर्गत स्वीकृति को तत्काल मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के नियंत्रण में  
व्यय हेतु प्रादिष्ट करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं  
आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय  
समय पर जारी किये गये मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृत परिव्यय  
के अनुरूप व्यय किया जायेगा।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं  
दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13  
पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से  
व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, कय सम्बन्धी  
शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही  
किया जाय।
- (4) उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत  
संलग्न विवरण में अंकित लेखाशीर्षक के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया  
जायेगा।

(5) उक्त धनराशि का व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यो हेतु अनुमोदित लागत सीमा में निर्धारित/आवंटित परिव्यय के अन्तर्गत ही किया जायेगा।

2- इस संबंध में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक की मानक मद अनुदान संख्या-28, 102-पशु और भैंस विकास के योजना कोड-9102 वर्तमान कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों की स्थापना व सुदृढीकरण योजनान्तर्गत 20-सहायक अनुदान मानक मद में अवमुक्त धनराशि रुपया 40 हजार का अग्रिम आहरण कर यू0एल0डी0बी0 को उपलब्ध कराया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-18(P)/XXVII-4/2009 दिनांक 29 मई, 2009 के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न :- जनपदवार फॉट

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)  
सचिव।

संख्या-7/0 (1)/XV-1/2009-तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. अपर निदेशक, पशुपालन को उनके पत्र संख्या-9/नि0/आय व्ययक/2009-10 दिनांक 1 अप्रैल, 2009 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
4. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड/उप कोषाधिकारी, चकराता, रानीखेत।
5. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. आयुक्त, कुमायू मण्डल, नैनीताल/गढ़वाल मण्डल, पौड़ी, उत्तराखण्ड।
7. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. निदेशक, बजट एवं राजकोषीय निदेशालय, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
11. भीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. गार्ड फ़ावली।

आज्ञा से  
(जी०बी० ओ०ली)  
संयुक्त सचिव।





